

प्रेषक,

आनन्द बद्धन
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

प्रमुख अभियन्ता
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

जनपरी
देहरादून : दिनांक 02 दिसम्बर, 2018

विषय:- जन जाति क्षेत्र उप योजना (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड चकराता के ग्राम पंचायत खारसी के चैमा शिला खेड़ा में बगीचे हेतु आफसूट व हौज निर्माण की योजना प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3082/प्र०अ०/सि०वि०/बजट/बी-१ (योजना) दिनांक 18 सितम्बर 2018 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जन जाति क्षेत्र उप योजना (टी०एस०पी०) के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड चकराता के ग्राम पंचायत खारसी के चैमा शिला खेड़ा में बगीचे हेतु आफसूट व हौज निर्माण की योजना के प्राक्कलन की विभागीय टीएसी द्वारा संस्तुत धनराशि रु० 9.90 लाख (रु० नौ लाख नब्बे हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए पूर्ण धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय प्रश्नगत योजना के अन्तर्गत किया जायेगा, धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कहीं आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- (iii) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली, 20017 तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (iv) जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- (v) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- (vi) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

(viii) त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2018 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।

(ix) धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-06-निर्माणाधीन नहरे-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-03-नहर निर्माण कार्य-00-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 611/XXVII(2)/2017, दिनांक 28 दिसम्बर, 2017 में दिये गये निर्देशों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव।

22/69
संख्या— (1)/ 11-2017-03(23)/2014 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, दे०दून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोर्टर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी गढ़वाल।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
8. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
11. सम्बन्धित सिंचाई खण्ड द्वारा मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई, उत्तराखण्ड।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(ओमकार सिंह)
संयुक्त सचिव।